- 1917 में प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत के बाद किसी भी गैर फौज़ी के लिये रेडियो का प्रयोग निषिद्ध कर दिया गया।
- 1918 में ली द फोरेस्ट ने न्यूयॉर्क के हाईब्रिज इलाके में दुनिया का पहला रेडियो स्टेशन शुरु किया. पर कुछ दिनों बाद ही पुलिस को ख़बर लग गई और रेडियो स्टेशन बंद करा दिया गया।
- एक साल बाद ली द फोरेस्ट ने 1919 में सैन फ्रैंसिस्को में एक और रेडियो स्टेशन शुरु कर दिया।
- नवंबर 1920 में नौसेना के रेडियो विभाग में काम कर चुके फ्रैंक कॉनार्ड को दुनिया में पहली बार क़ानूनी तौर पर रेडियो स्टेशन शुरु करने की अनुमति मिली। कुछ ही सालों में देखते ही देखते दुनिया भर में सैकड़ों रेडियो स्टेशनों ने काम करना शुरु कर दिया।
- रेडियो में विज्ञापन की शुरुआत 1923 में हुई. इसके बाद ब्रिटेन में बीबीसी और अमरीका में सीबीएस और एनबीसी जैसे सरकारी रेडियो स्टेशनों की शुरुआत हुई।
- 1923 को भारत में पहली बार रेडियो का प्रसारण मुम्बई में शुरु हुआ था।
- रेडियो पर विज्ञापन की शुरुआत 1923 में हुई।
- भारत में रेडियो को सबसे पहले मद्रास प्रेसीडेंसी क्लब ने 1924 में शुरु किया था।
- 1927 तक भारत में भी ढेरों रेडियो क्लबों की स्थापना हो चुकी थी।
- बाम्बे (मुंबई) के व्यापारियों ने 1927 में भारतीय प्रसारण कम्पनी की शुरुआत मुम्बई और कलकता में शुरु की थी।
- भारत की सरकार ने इसे 1932 में अपने नियंत्रण में ले लिया था और इसका नाम भारतीय प्रसारण सेवा रखा. आल इण्डिया रेडियो का पहले नाम था इंडियन ब्राडकास्टिंग कम्पनी।
- 1936 में भारत में सरकारी इम्पेरियल रेडियो ऑफ इंडिया की शुरुआत हुई जो आज़ादी के बाद ऑल इंडिया रेडियो या आकाशवाणी बन गया। इसकी पहुंच 11 प्रतिशत लोगों तक ही थी. तब आकाशवाणी के पास 223 रेडियो स्टेशन और उसकी पहुंच 99.1 फ़ीसदी भारतीयों तक थी।
- 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत होने पर भारत में भी रेडियो के सारे लाइसेंस रद्द कर दिए गए और ट्रांसमीटरों को सरकार के पास जमा करने के आदेश दे दिए गए।
- नवंबर 1941 में रेडियो जर्मनी से नेताजी सुभाष चंद्र बोस का भारतीयों के नाम संदेश भारत में रेडियो के इतिहास में एक और प्रसिद्ध दिन रहा जब नेताजी ने कहा था, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आज़ादी दूंगा।
- इसके बाद 1942 में आज़ाद हिंद रेडियो की स्थापना हुई जो पहले जर्मनी से फिर सिंगापुर और रंगून से भारतीयों के लिये समाचार प्रसारित करता रहा।
- अगस्त 1942 को नेशनल कांग्रेस रेडियो का प्रसारण शुरु हुआ था।
- ट्रांजिस्टर का आविष्कार जॉन बरडीन, विलियम शाकले और वाल्टर बर्टन ने 1948 में यूएसए में किया था
- बिनाका गीतमाला का पहला कार्यक्रम सन् 1952 के अंतिम सप्ताह में प्रसारित हुआ था
- आल इंडिया रेडियो को आकाशवाणी का नाम 1956 में दिया गया।
- रेडियो पर विविध भारती की शुरुआत 1957 में की गई थी।
- व्यवसायिक रेडियो सेवा 1967 से प्रारंभ हुई थी. और इसके 32 प्रसारण केन्द्र थे।
- संस्कृत भाषा में समाचार वाचन की शुरुआत 1974 में की गई थी।
- भारत में पहली बार 23 जुलाई 1977 को मद्रास (चेन्नई) में एफ.एम. की शुरुआत हुई थी।
- 1990 के मध्य तक देश में प्रसारण के 31 ए एम और एफ एम.स्टेशन बन चुके थे।
- देश को जोड़ने के लिए 85 एफएम तथा 73 वेव स्टेशन 1994 में बन चुके थे।
- लगभग 70 घंटों की खबरें और मनोरंजन के 32 कार्यक्रम, 32 साफ्टवेअरों की सहायता से 1994 में चलाए गए थे।
- 1995 में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि रेडियो तरंगों पर सरकार का एकाधिकार नहीं है।
- अखिल भारतीय रेडियो की बाहरी सेवाएं 27 भाषाओं के माध्यम से भारत के बाहर प्रसारित होती हैं।
- शिक्षा से संबंधित भारतीय एफ एम.चैनल की शुरुआत ज्ञानवाणी नवम्बर 2001 से शुरु की गई।
- सन 2002 में एनडीए सरकार ने शिक्षण संस्थाओं को कैंपस रेडियो स्टेशन खोलने की अनुमति दी।
- देश भर में आल इण्डिया रेडियो चैनल के कुल 415 स्टेशन कार्यरत हैं।
- 16 नवम्बर 2006 को यूपीए सरकार ने स्वयंसेवी संस्थाओं को रेडियो स्टेशन खोलने की इज़ाज़त दी। आल इंडिया रेडियो पर 23 भाषाओं के कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं।
- यूनेस्को ने 13 फरवरी सन 2011 में विश्व स्तर पर रेडियो दिवस मनाने का निर्णय लिया. 13 फरवरी का दिन विश्व रेडियो दिवस के रूप में इसलिए चुना गया क्योंकि सन 1946 में रेडियो संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा रेडियो प्रसारण की शुरुआत की गई थी। ■